शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

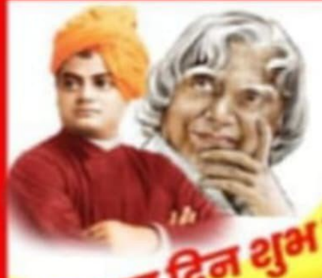

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक
01 मार्च 2025

काव्यांजलि

2455

दिन
शनिवार

पाठ- 8

कक्षा- 4

विषय- पर्यावरण

पौधे के भाग एवं उनके कार्य (भाग- 1)

कुछ छोटे, कुछ बड़े पौधे,
कुछ कोमल मजबूत।
पौधे के होते पाँच भाग,
जड़ को कहते हैं रूट।।

Parts of Plant (पौधे के भाग)

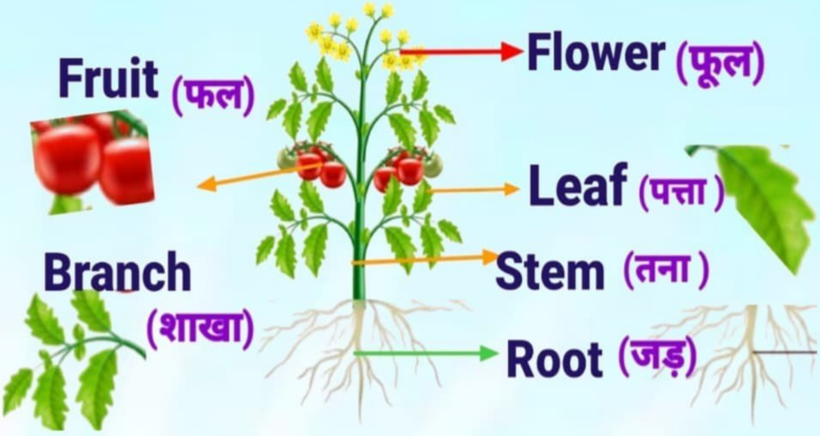

तना, फूल, पत्ती अरु फल,
सबके होते विशेष कार्य।
जल और पोषक तत्व सभी,
पौधों के लिए अनिवार्य।।

जड़ पौधे को जमाये रखती,
तने से मिलता सहारा।
प्रकाश संश्लेषण, वाष्पोत्सर्जन,
पत्ती का कार्य यह प्यारा।।

सबसे सुन्दर, आकर्षक,
पौधे के भाग फल, फूल।
रंग, सुगन्ध से मन मोह लेते,
बच्चों न जाना तुम भूल।।

रचना
मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 03 मार्च 2025

काव्यांजलि 2456

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

पाठ- 7

हमारा भूमण्डल

समुद्र की गतियाँ (नीला ग्रह और तरंगे)

सत्तर दशमलव आठ प्रतिशत,
पृथ्वी पर भाग है जल।
उन्नतीस दशमलव दो प्रतिशत,
पृथ्वी पर भाग है स्थल।।

जल प्रतिशत की है अधिकता,
स्थल प्रतिशत है कम।
इस कारण ही पृथ्वी को,
'नीला ग्रह' कहते हैं हम।।

जल सतह पर वायु द्वारा,
जल को ढकेला जाता है।
इस प्रक्रिया के कारण ही,
तरंगों का निर्माण होता।।

जल सतह से टकराकर,
ऊपर-नीचे होती रहती है।
इससे बनते जल में मोड़,
मोड़ ही जल तरंग कहलाती है।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

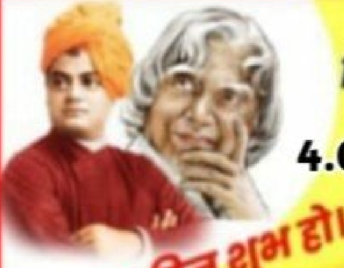

दिनांक 4.03.2025

काव्यांजलि

2457

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- गणित

इकाई- 8

क्या होती ज्यामिति अवधारणा?

ज्यामिति ही भूमिति है,
आज सभी ये जानेंगे।
बिन्दु, रेखा, तल और पृष्ठ,
कुछ शब्दों को पहचानेंगे।।

जिसका कोई भाग न हो,
वह बिन्दु कहलाता है।
मापें जिसकी लाइन लेन्थ,
वह तल समतल बन जाता है।।

दो बिन्दुओं से होकर,
असीमित समतल बनते हैं।
लेकिन जब ये तीन बिन्दु हों ,
सिर्फ इक समतल ही होते हैं।।

बिन्दु, रेखा, तल, वक्रपृष्ट से,
बनती है ज्यामितीय गणित।
रेखाओं से घिरे हुये गुण से
बन जाता यह रेखागणित।।

🙏 *रचना:-*
डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा (कम्पोजिट)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 05 मार्च 2025

काव्यांजलि
2458

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हिन्दी, कक्षा- 4, पाठ- 15, भाग- 1

वीर अभिमन्यु

महाभारत का युद्ध चल रहा,
दुविधा भरा समय था आज।
निर्णय सूझ रहा न कोई,
चिन्ता में युधिष्ठिर महाराज।।

गुरु द्रोण ने रचा चक्रव्यूह,
अर्जुन बिन कोई भेद न पाये।
अभिमन्यु ने कहा तात श्री!
कैसी चिन्ता आज सताये।।

राजन बोले पुत्र अभिमन्यु,
दुर्योधन ने चली है चाल।
अर्जुन को संसप्तक के पीछे,
युद्धभूमि से दिया दूर निकाल।।

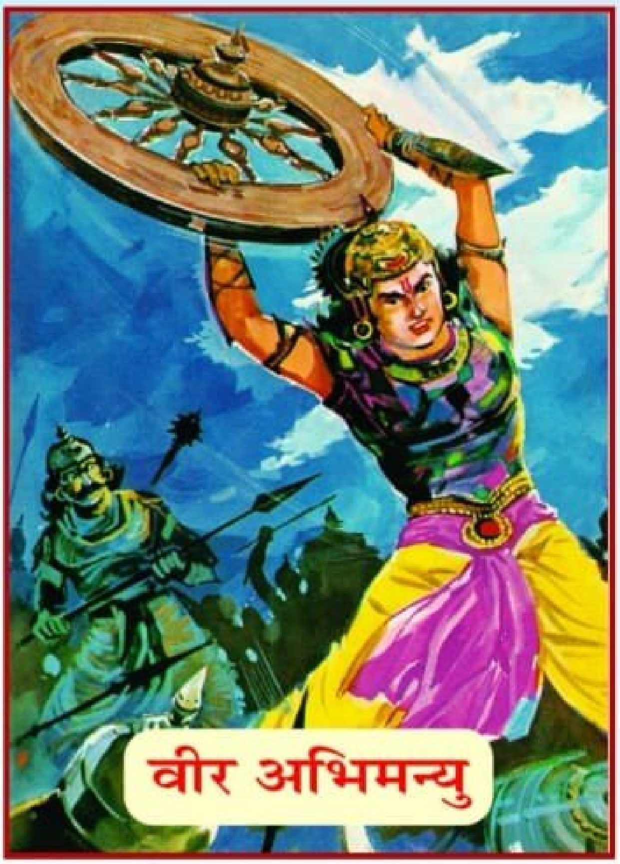

चक्रव्यूह को कठिन तोड़ना,
एक पिता तुम्हारे भेदनहार।
भेद न पायें व्यूह अगर कल,
निश्चित युद्ध जायेंगे हार।।

रचना:-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

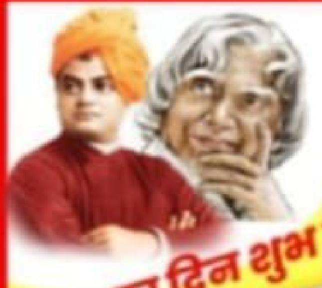

काव्यांजलि

2459

दिनांक 06/03/2025

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा - 1

विषय - सारंगी 1

पाठ- 6 (तीन साथी)

तीन साथी बड़े निराले,
कौवा, चूहा और हिरन।
बड़े मेल से तीनों रहते,
सुन्दर उनका था जीवन।।

फ़ँसा हिरन एक दिन जाल में,
कौवा देख हुआ परेशान।
काँव-काँव सुन चूहा आया,
काम यह तो है आसान।।

पैने-पैने दाँतों से फिर,
चूहे ने जाल काट दिया।
बाहर आया हिरन और,
चूहे को धन्यवाद दिया।।

तभी शिकारी पड़ा दिखाई,
कौवे ने काँव-काँव मचाई।
बोली सुन कौवे की हिरन ने,
भाग के फिर से जान बचाई।।

रचना -
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर,
निधौली कलां, एटा

दिनांक
07 मार्च
2025

काव्यांजलि
2460

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 1

विषय- गृह शिल्प

कक्षा- 7

उत्तम स्वास्थ्य (कुपोषण से रोग)

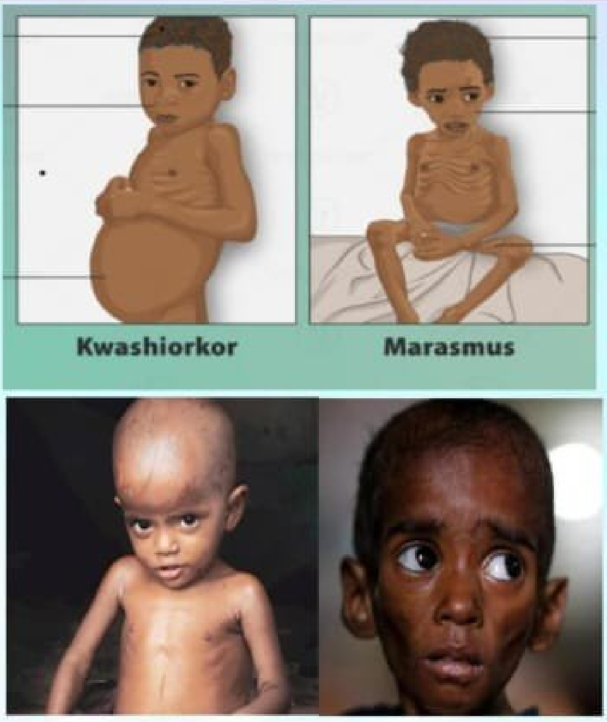

शरीर वृद्धि का रुक जाना,
हाथ पैरों का दुर्बल हो जाना।
पेट आ जाता बाहर निकल कर,
रोग कहलाता क्वाशियोरकर।।

दुर्बल हो जाता है शरीर,
आँखों की काँति होती अधीर।
त्वचा रूखी बाल हों भूरे,
मेरास्मस रोग के लक्षण पूरे।।

शरीर सुस्त हो जाता पीला,
वजन हो कम कार्यों में ढीला।
खून की कमी पैरों में सूजन,
रक्ताल्पता के होते लक्षण।।

गला फूल सूजे गलग्रंथि,
रुक जाये शारीरिक वृद्धि।
आयोडीन की कमी से होवे,
घेंघा रोग का रोगी होवे।।

रचना
भगवती (स०अ०)
स० वि० मन्स्या कला
सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि
2461

दिनांक 08 मार्च 2025

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- गणित (कक्षा- 4)

पाठ 17 प्रकरण- समय (घड़ी)

घड़ी की टिक-टिक की गति,
घण्टे, मिनट, सेकेण्ड सिखाती।
प्यारे बच्चे मन के सच्चे,
लगाया अलार्म उठी नींद कच्चे।।

हाथ-मुँह धोकर पढ़ने बैठे,
प्रश्नोत्तर याद कर बन के बैठे।
घड़ी की भी एक अजब कहानी,
साठ अंक का चक्कर नानी।।

साठ सेकेण्ड का एक मिनट,
एक घण्टे का साठ मिनट।
बच्चे कॉपी में घड़ी बनाएँ,
घड़ी बनाकर वे इतराएँ।।

बच्चे कॉपी में गोला खींचे,
चूड़ी परकार से हाथ भींचे।
मेरा अच्छा तेरा अच्छा,
मेरी घड़ी का समय सच्चा।।

रचना
अर्चना गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बड़ोखर बुजुर्ग कंपो०
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक 10-03-2025
काव्यांजलि
2462
दिन सोमवार
आपका दिन शुभ हो।

वाटिका (कक्षा-5)

पाठ- चिड़िया का दाना

मिला एक चिड़िया को एक दाना,
खाने से पहले, जरूरी था नहाना।
दाने की रक्षा को बढ़ई से गुहार लगायी,
पर बढ़ई ने जिम्मेदारी न निभायी।।

दाना खोने की सिपाही को बात बताई,
घमण्डी सिपाही ने नहीं की सुनवाई।
तब थानेदार को सारा वृतान्त सुनाया,
थानेदार ने मन्त्री जी का दुखड़ा सुनाया।।

दिखे मन्त्री जी, जो घोड़े पर थे सवार,
चिड़िया के प्रति उनका, मधुर था व्यवहार।
अन्त में चिड़िया ने राजा से सहायता माँगी,
छोटी चिड़िया की राजा ने बात ना मानी।।

बात समझ चींटी ने, हाथी को समझाया,
हाथी की धमकी से राजा घबराया।
मन्त्री, थानेदार, सिपाही, सबका नम्बर आया,
तब बढ़ई चिडिया का दाना ढूँढकर लाया।।

रचना- अमित गोयल
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
11.03.2025

काव्यांजलि

2463

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ-10

कक्षा-3

बन्दर बाँट

विषय- हिन्दी

काली बिल्ली मिली एक दिन श्वेत बिल्ली से,
कहने लगीं दिल का हाल एक दूजे से।
भूख से हुआ है हमारा बुरा हाल,
कहीं मिल जाए रोटी हो जाये कमाल।।

जब देखा उन्होंने इधर उधर,
तो एक रोटी पर पड़ी नजर।
रोटी के लिए वो लगीं फिर लड़ने,
"मेरी है यह मेरी है" लगी झगड़ने।।

तभी वहाँ पर आया बन्दर
लगा उनसे बात करने।
बोला आधी-आधी करूँगा बराबर,
लगा तराजू में तोल करने।।

कभी इसकी ज्यादा कभी इसकी कम,
खा लेता यह बोलकर।
बन्दर रोटी खा गया सारी,
हो गयीं मायूस बिल्ली ये देखकर।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

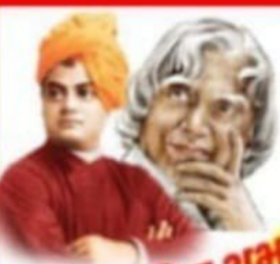

दिनांक 12.03.2024

काव्यांजलि

2464

दिन बुधवार

पाठ 15

आपका दिन शुभ हो।

विषय-हिन्दी (पंखुड़ी), कक्षा-3

जड़ और फूल (भाग 1)

गुलमोहर का पेड़ बड़ा सा,
लाल फूलों से था लदा हुआ।
फूल इतराते, झूमते, गाते,
जड़ को कभी न भाव दिया।।

एक दिन हँसते-हँसते फूलों ने,
जड़ की खूब हँसी उड़ाई।
बदसूरत कह कर जड़ को,
फूल, कलियाँ खुद पर इतराईं।।

फिर आया बरसात का मौसम,
बादल गरजे, बिजली चमकी।
गिरी बिजली गुलमोहर पर,
जल गए फूल और पत्तियाँ झुलसी।।

बन गया ठूँठ पेड़ गुलमोहर का,
चक्र समय का यही है कहता।
समय परिवर्तनशील सदा से,
एक सा नहीं कभी ये रहता।।

रचना-
डॉक्टर नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

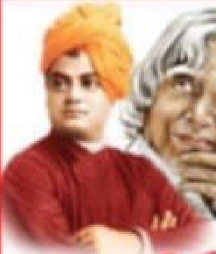

दिनांक
13 मार्च
2025

काव्यांजलि
2465

दिन
गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 06, विषय- ENGLISH

•••• Safety Saves••••

सुरक्षा बल

एक था नटखट लापरवाह कुनाल,
मचाए घर और बाहर धमाल।
रोज खाए सब की डाँट,
धरे के धरे रह जायें थॉन्ट।।

कोई चीज ना मिले जगह पर,
छूट जाए अक्सर बस का सफर।
हबड़-तबड़ में पकड़ी गलत बस,
जोख़िम में डाल जान कूदा बस।।

सो ही आए दिन में तारे नज़र,
हो गई स्कूटर से जो टक्कर।
जोर से चिल्लाई स्कूटर सवार,
घबराकर गिरा खाकर चक्कर।।

होश आते ही फूटी रुलाई,
याद आई सारी लापरवाही।
जीवन सुरक्षा की कसम खायी,
अपनी गलतियों की याद आयी।।

रचना:-

प्रियंका गौतम (स०अ०)
कम्पोजिट वि० कन्या एत्मादपुर
क्षेत्र- एत्मादपुर, आगरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि 2466

दिनांक 14 मार्च 2025

दिन शुक्रवार

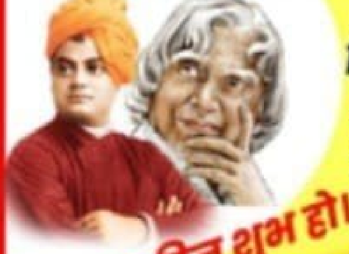

आपका दिन शुभ हो।

Class- 02, Subject- English, Lesson- 02

•••• Learning Togather ••••

In the class we work and play,
Our teachers teach us everyday.
Always be present in prayer,
Singing with students we are absent rare.

Play a game, reading books,
Learning new things to look.
History, Geography, Science too,
We learn about five ocean's blue.

Work hard obey the order and rules,
Love youngers, not make them fool.
Help the kids as much as you can,
They will become happily your fan.

Reading, writing, spelling too,
Learn in fun, speech much to do.
Read your books and listen to your tuitor,
They'll see you shine in your future.

रचना:-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे० व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 15.03.2025

काव्यांजलि

2467

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8

वीणा वादिनी वर दे

विषय- हिन्दी

हे वीणा वाली मैया,
हमको ऐसा वर दो।
हर नागरिक के मन में,
भाव स्वतन्त्रता के भर दो।।

काटो बन्धन अज्ञान के,
ज्ञान धारा बहा दो माता।
जो पाप हो गए हैं,
उनको मिटा दो माता।।

सबके हृदय में मैया,
जगमग प्रकाश कर दो।
नए लय, ताल सुर में,
अब नव विहान कर दो।।

वाणी में मधुरता दो,
घन सी हो गहराई।
नए पक्षियों की तरह माँ,
नव स्वर लहरी लहराई।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा वि० खजनी (रुद्रपुर)
क्षेत्र- खजनी,जनपद- गोरखपुर

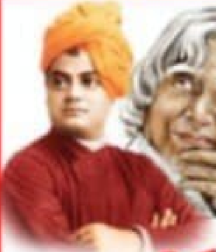

दिनांक
17 मार्च
2025

काव्यांजलि

2468

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हिन्दी, कक्षा- 4, पाठ- 15, भाग- 02

वीर अभिमन्यु

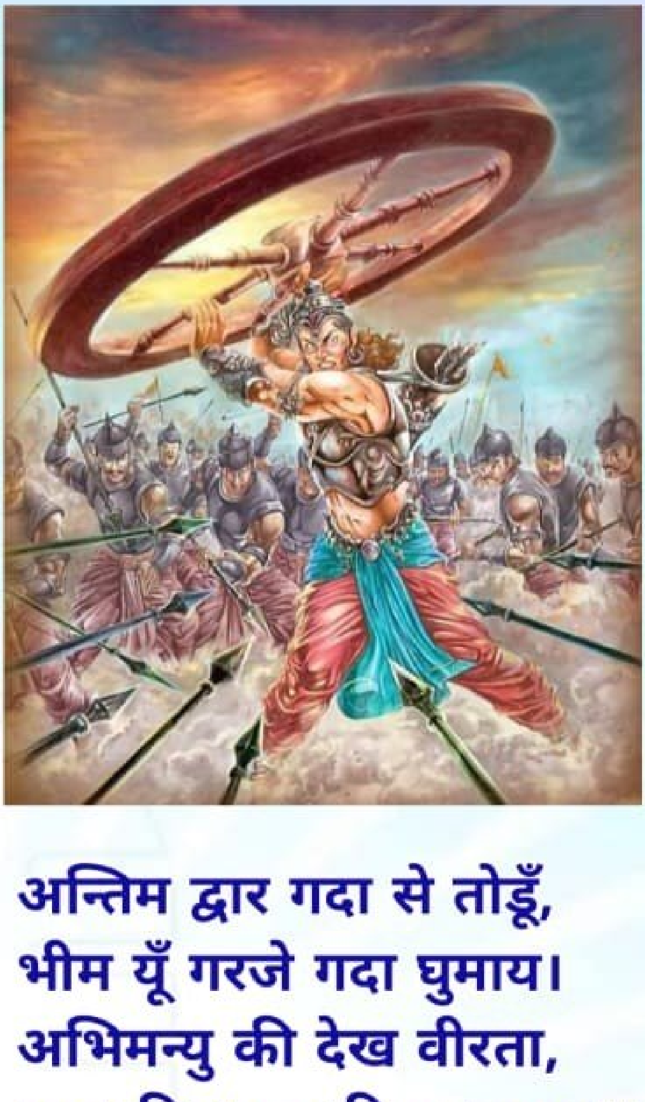

महाराज दें आज्ञा मुझको,
अभिमन्यु बोलें कर जोड़।
रणभूमि में कल उतरूँगा,
चक्रव्यूह झट दूँगा तोड़।।

आश्चर्यचकित हो पूछें राजन,
हुनर दिया किसने ये बताय।
माँ के गर्भ में सुनकर सीखा,
पिता थे वर्णन रहे सुनाय।।

अन्तिम द्वार भेदने की बारी,
माँ को तभी नींद गयी आय।
छः द्वारों को भेदूँ अकेला,
द्वार सातवाँ किन्तु सताय।।

अन्तिम द्वार गदा से तोड़ूँ,
भीम यूँ गरजे गदा घुमाय।
अभिमन्यु की देख वीरता,
युद्ध की आज्ञा दिया सुनाय।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना :-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

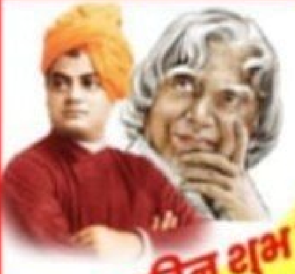

दिनांक 18/03/2025

काव्यांजलि

2469

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-2, विषय-हिन्दी

पाठ-2, घर (आनन्दमयी कविता)

क्या नहीं लगता ऐसा,
माँ की गोदी जैसा।
अपना सबसे न्यारा घर,
माँ की ममतावाला घर।।

थक कर जब वापस आते,
घर में ही आराम पाते।
भोजन भी करवाता घर,
पानी भी पिलवाता घर।।

एक दिन पूछा बेटे ने,
अपने प्यारे पापा से।
क्यों लगता है सुन्दर,
अपना प्यारा-प्यारा घर।।

बिछौने सा बिछ जाता,
आराम हमें दिलाता।
भर कर नयी ताज़गी,
खुशहाल बनाता ज़िन्दगी।।

रचना

सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कं० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 19 मार्च 2025

काव्यांजलि

2470

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 04

कक्षा- 8 विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

भारत के प्रमुख परमाणु ऊर्जा केन्द्र

कुडनकुलम है तमिलनाडु में,
कैगा कर्नाटक में।
कलपक्कम भी तमिलनाडु में,
नरौरा है यू० पी० में।।

काकरपारा गुजरात में,
रावतभाटा राजस्थान।
तारापुर स्थित सीमा पर,
महाराष्ट्र, गुजरात की शान।।

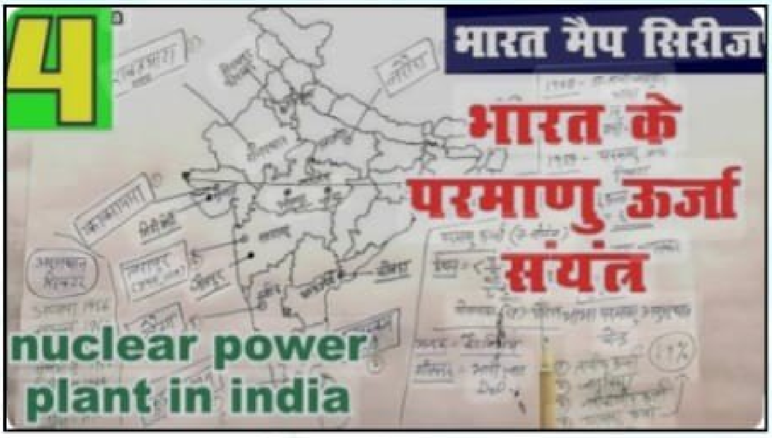

परमाणु ऊर्जा उत्पादक,
प्रमुख केन्द्र ये भारत के।
यूरेनियम, थोरियम, रेडियम के,
विखण्डन से यह ऊर्जा मिले।।

आणविक शक्ति प्राप्त होती है,
यूरेनियम और थोरियम से।
राजस्थान, झारखण्ड, केरल,
खनिज क्षेत्र हैं भारत के।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक 20.3.2025
काव्यांजलि
2471
दिन गुरुवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-1, विषय- हिन्दी, पाठ-12

फूली रोटी

जमाल की माँ रसोई में आयी,
गोल-गोल रोटी बनायी।
जमाल ने सोचा मैं भी बनाऊँ।
माँ ने जैसी रोटी है बनायी।।

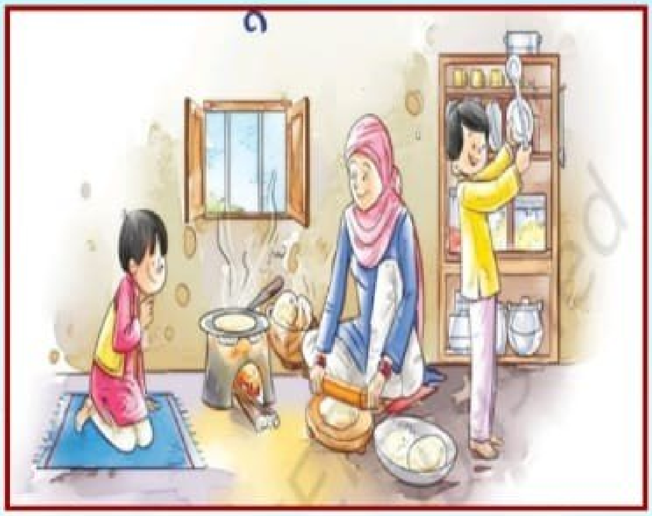

जमाल ने माँ से माँगा आटा,
माँ ने छोटी लोई को काटा।
उसने लोई से रोटी बेली,
रोटी बनती टेढ़ी-मेढ़ी।।

जय बैठा बर्तन से खेले,
तुरन्त बोला कटोरी ले ले।
आटे पर कटोरी घुमाओ,
गोल रोटी तुम बनाओ।।

कटोरी आटे पर जैसे घुमाई,
गोल रोटी निकल कर आयी।
माँ ने सेकी रोटी फूल आयी।
दोनों ने खुश होकर खायी।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
काव्यांजलि
2472
दिनांक 21 मार्च 2025
दिन शुक्रवार
आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 02

कक्षा -2 विषय- हिन्दी (सारंगी)

प्यारा घर

मेरा घर है सबसे प्यारा,
सबसे सुन्दर सबसे न्यारा।
तरह-तरह के कमरे इसमें,
रखता पूरा ध्यान हमारा।।

जब कहीं हम घूमने जाते,
कहीं नहीं हम आराम पाते।
वापस जब हम घर आते,
माँ जैसा प्यार घर में पाते।।

कच्चा हो या फिर हो पक्का,
अपना घर होता है अच्छा।
रखो सादा इसे स्वच्छ और साफ,
तभी स्वस्थ रहोगे सदा आप।।

घर में रहते जब एक साथ,
हर दिन हो जाता है खास।
घर देता हम सबको आराम,
इसे साफ रखना हमारा काम।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

काव्यांजलि 2473

दिनांक 22 मार्च 2025

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा - 03 पाठ- 02
विषय- पंखुड़ी

मुर्गा और लोमड़ी भाग-02

सुनकर लोमड़ी यह बात,
मन में हुआ अब असमंजस।
शिकार करूँ कैसे इसका,
एक बार आ जाये बस।।

जब कोई तरकीब,
उसको सूझ न आयी।
झूठी खबर लोमड़ी ने,
अब देखो फैलायी।।
हुआ है सभी जानवरों में,
अभी-अभी समझौता।
कोई किसी को न मरेगा,
और न देगा धोखा।।

सुनकर लोमड़ी की बात,
मुर्गा चालाकी समझ गया।
झूठे ही बोला लोमड़ी से,
इस समझौते से वह खुश हुआ।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

दिनांक
24.03.2025

काव्यांजलि
2474

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय - संस्कृत

कक्षा- 04

वर्षाकालः

खुश होकर बच्चें,
दोस्तों संग गाते।
बारिश में बच्चें,
गाकर इतराते।।

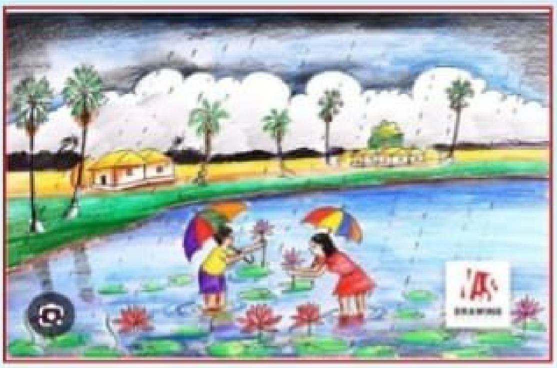

हर-हर नदी का जल बहता,
सर-सर पवन भी कहता।
वन, उपवन में तोता रहता,
मीठे बोल वचन है कहता।।

मेघ गरजते,
मोर नाचते।
दूर गगन में,
हंस उड़ते जाते।।

खुश होकर बच्चें,
बारिश में इतराते।
संग दोस्तों के बच्चें,
बस कूदते ही जाते।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
सुमन मौर्या
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 25-03-2025

काव्यांजलि
2475

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- अंग्रेजी (कक्षा- 5)
Leesson- 2, The Ant and the Dove

एहसान चुकाना

गर्मी में एक प्यासी चींटी,
नदी किनारे जा फिसली।
गिरी नदी में वह चिल्लायी,
मुझे बचाओ, न निकली।।

बैठा पेड़ पे एक कबूतर,
सुन आवाज गिराया पत्ता।
चींटी उस पर चढ़कर आयी,
तुरन्त किनारे, पा रस्ता।।

गुजरा समय, एक दिन चींटी,
ने देखा है शिकारी को।
साध रहा था अपना निशाना,
उसी कबूतर पर ही वो।।

काट लिया चींटी ने उसके,
पैर, शिकारी चिल्लाया।
धनुष-बाण गया छूट हाथ से,
बचा कबूतर हर्षाया।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर (झाँसी)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 26 मार्च 2025

काव्यांजलि 2476

दिन बुधवार

पाठ- 11

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6 विषय- इतिहास (हमारा इतिहास और नागरिक शास्त्र)

राजपूत कालीन शिक्षा एवं साहित्य

तर्ज़- चौपाई

बाल रामायण राजशेखर की,
किरातार्जुनीयम् भारवि जी।

शिशुपाल वध नाटक माघ का,
राजतरंगिणी कल्हण लिखा।

ऐतिहासिक ग्रंथ राजतरंगिणी,
कश्मीर की है वर्णन कीनी।

गीत गोविन्द काव्य संस्कृत में,
लिखा है जिसको जयदेव ने।

पृथ्वीराज रासो बरदाई,
गाथा काव्य लिखा है भाई।

शिक्षा साहित्य राजपूतों की,
आश्रम, विश्वविद्यालय में थी।

उज्जयिनी, कन्नौज, नालन्दा,
धारा, काशी, विक्रमशिला।

प्रमुख शिक्षा के केन्द्र यही थे,
राजपूत शासक बहु नीके।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 27 मार्च 2025

काव्यांजलि

2477

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- उच्च प्राथमिक स्तर

विषय- संगीत

राग दरबारी

आसावरी थाट से,
राग बना दरबारी।
ऩि, सा, रे, ग़ु, रे सा,
राग की सरगम प्यारी।।

ऋषभ वादी, संवादी पंचम,
सम्पूर्ण षाडव जाति भावे।
मध्यरात्रि में गाया जाये,
प्रकृति गम्भीर कहावे।।

निषाद अरु पंचम की संगति,
बहुत ही सुमधुर सुन्दर।
आरोह में गांधार दुर्लभ है,
बच्चों इस राग के अन्दर।।

गरेरे, सा, ध, नि, सा, रे, सा,
पकड़ तो है मन भावन।
आनंदित करता है मन को,
दरबारी राग है पावन।।

रचना- मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

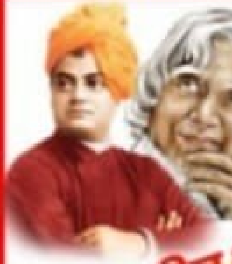

दिनांक
28 मार्च 2025

काव्यांजलि
2478

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 15

कक्षा -2 विषय- हिन्दी (सारंगी)

किसान

भारत का भाग्य विधाता बन,
खेतों में अन्न उपजाता है।
करके निरन्तर कड़ी मेहनत,
बंजर भूमि में हरियाली लाता है।।

सर्दी-गर्मी या हो बारिश,
किसान नहीं घबराता है।
अपनी मेहनत और लगन से,
मिट्टी को सोना बनाता है।।

वर्ष भर निरन्तर मेहनत करता,
तब परिश्रम का फल पाता है।
जब लहराती खेतों में फैसलें,
वह बड़ा सुकून पाता है।।

जीवन में कठिन परिश्रम करना,
किसान हमें सिखाता है।
कर्म है जीवन का गहना,
किसान हमें समझाता है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
29 मार्च
2025

काव्यांजलि
2479

दिन
शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 7

समुद्र की गतियाँ (महासागरीय जल धाराएँ)

महासागर की जल धारा,
होती है सबसे शक्तिशाली।
महासागरों के जल को ये,
हज़ारों किमी बहा ले जाती।।

निश्चित दिशा में बहता जल,
कहलाता महासागरीय जल धारा।
कम चौड़ी होती है तेज़ गति,
नदी की तरह होती जल धारा।।

दो से दस किमी प्रति घण्टे,
होती है जल धारा की गति।
चौड़ी और धीमी हो जाती,
कभी-कभी जल धारा की गति।।

चौड़ी-धीमी गति की जल धारा,
प्रवाह का रूप ले लेता है।
एक से तीन किमी प्रति घण्टे,
गति से प्रवाहित होता है।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।